दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक : 29.10.2024

प्रकाशनार्थ

'ओडीएफ–इण्डिया' एवं 'पी.एम. सौभाग्य योजना' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

दिनांक 29.10.2024 गोरखपुर। 44 यूपी वाहिनी एन.सी.सी., गोरखपुर के तत्वावधान में दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर की एन.सी.सी. प्लाटून/कम्पनी द्वारा 'ओडीएफ–इण्डिया' एवं 'पी.एम. सौभाग्य योजना' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी कार्यक्रम के प्रथम चरण में एनसीसी सी.टी.ओ. डॉ. सुभाष चन्द्र ने 'ओडीएफ–इण्डिया' विषय पर उद्‌बोधन देते हुए कहा कि ओडीएफ़–इंडिया से अभिप्राय है खुले में शौच से मुक्त (Open Defecation Free) भारत। इस सरकरी अभियान के तहत, गांवों को खुले में शौच से मुक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। गांवों को खुले में शौच से मुक्त घोषित करने के लिए, समुदाय को ठोस प्रयास करने होते हैं। ओडीएफ़–इंडिया के तहत, गांवों को ओडीएफ़–प्लस का दर्जा भी मिलता है। ओडीएफ़–प्लस गांव, वे गांव होते हैं जो ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन के साथ–साथ खुले में शौच से मुक्त रहते हैं। ओडीएफ़–इंडिया के तहत, शहरों और वार्डों को भी ओडीएफ़ घोषित किया जा सकता है। इसके लिए, शहर या वार्ड में दिन के किसी भी समय खुले में शौच करने वाला कोई व्यक्ति नहीं होना चाहिए।

संगोष्ठी कार्यक्रम के द्वितीय चरण में एनसीसी सी.टी.ओ. डॉ. सुभाष चन्द्र ने 'पी.एम. सौभाग्य योजना' विषय पर उद्‌बोधन देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री सौभाग्य योजना को प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना के नाम से भी जाना जाता है। इस योजना को सर्वप्रथम सितंबर 2017 में आरंभ किया गया था। इस योजना का उद्देश्य देश के सभी परिवारों को मुफ्त में बिजली का कनेक्शन देना है। ऐसे परिवार जो बिजली का कनेक्शन आर्थिक तंगी के कारण नहीं ले पाते हैं और उन्हें अपना गुजारा अंधेरे में ही करना पड़ता है, उन्हें बिजली का कनेक्शन प्रदान करना ही इस योजना का लक्ष्य है। कार्यक्रम के अन्त में एन.सी.सी. कैडेट्स के प्रश्नों के उत्तर दिए गए और उनकी समस्याओं का समाधान किया गया।

कार्यक्रम में प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के एन.सी.सी. कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

डॉ.(शैलेश कुमार सिंह)
प्रभारी सूचना एवं जनसम्पर्क